University in News on 23 February 2020

Amar Ujala- My City Page 5

लविवि में अभी एमसीक्यू प्रणाली से ही होगी परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक की सम सेमेस्टर परीक्षाएं फिलहाल मल्टीपल चॉयस क्वेश्चन (एमसीक्यू) परीक्षा प्रणाली पर ही होंगी। विवि में शनिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई परीक्षा समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक में यह भी तय हुआ कि स्नातक स्तर की परीक्षा के संबंध में एक समिति का गठन किया जाए। माना जा रहा है कि यह समिति एमसीक्यू प्रणाली की औपचारिकताएं पूरी करने और आने वाले वर्षों में इसके भविष्य पर अपनी रिपोर्ट देगी। परीक्षा समिति ने इसके साथ ही परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र पहुंचाने तथा उत्तर पुस्तिकाएं लाने के लिए डाक विभाग का सहयोग लेने पर सहमति दे दी है।

लविवि में पिछले शैक्षिक सत्र से स्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है। इसमें सम सेमेस्टर की परीक्षा एमसीक्यू तथा विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं लिखित प्रणाली पर हो रही हैं। यह प्रणाली लागू हो गई, लेकिन इस संबंध में सभी औपचारिकताएं पूरी नहीं की गईं। ऐसे में इसे इसी सत्र से समाप्त करने की मांग उठ रही थी। इस पर परीक्षा समिति के सदस्यों का कहना था जिन विद्यार्थियों का दाखिला एमसीक्यू प्रणाली की परीक्षा के लिए हुआ है उनकी परीक्षा का पैटर्न फिलहाल न बदला जाए। ऐसे में स्नातक द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा पहले की तरह एमसीक्यू प्रणाली पर ही कराने की सहमति बनी। जो अनिवार्यताएं पूरी नहीं हुई हैं, उन्हें पूरा कराने के लिए एक समिति गठित करने पर भी समिति ने सहमति दी।

परीक्षा समिति की बैठक में परीक्षा की औपचारिकताएं पूरी करने और भविष्य तय करने को समिति गठित

डाक विभाग निभाएगा प्रश्नपत्र भेजने और उत्तर पुस्तिकाएं लाने की जिम्मेदारी

लविवि की परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र भेजने और परीक्षा केंद्र से उत्तर पुस्तिकाएं लाने की जिम्मेदारी अब डाक विभाग निभाएगा। लविवि की परीक्षा समिति ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है। परीक्षा कार्य में गोपनीयता बढ़ाने तथा खर्च घटाने के मकसद से यह व्यवस्था शुरू की जा रही है। परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र पहुंचाने की जिम्मेदारी विवि अभी तक खुद निभाता है। हर दिन परीक्षा शुरू होने से कुछ समय पहले परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र पहुंचाए जाते हैं। हर साल परीक्षा के दौरान लविवि को इस काम के लिए दर्जनों गाड़ियां और कर्मचारी दोनों लगाने पड़ते हैं। इससे बचने के लिए यह नई व्यवस्था शुरू की जा रही है।

i-Next Page 5

पीएचडी के एग्जाम 16 मार्च से नहीं होगी माइनस मार्किंग

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एग्जाम को लेकर जारी किए दिशा-निर्देश

LUCKNOW(22 Feb): पीएचडी के एग्जाम लखनऊ यूनिवर्सिटी में 16 मार्च से शुरू होंगे. एलयू ने इसके लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं. फर्स्ट और सेकंड पेपर में एक-एक अंक के 35 प्रश्न होंगे. पेपर कुल 70 मार्क्स का होगा और किसी तरह की माइनस मार्किंग नहीं होगी.

इसका रखें ध्यान

जो कैंडीडेट पीएचडी के दोनों विषयों में पात्र हैं, तो उन्हें अधिकतम दो विषयों के लिए एग्जाम में शामिल होने का विकल्प मिलेगा. पीएचडी प्रवेश परीक्षा में एक विषय में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को 90 मिनट और एक ही संकाय में दो विषयों में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को 135 मिनट का समय दिया जाएगा. एक विषय के अभ्यर्थी जिन्हें दो विषय अलग अलग संकाय में चुने हैं उन्हें फर्स्ट पेपर दोपहर एक बजे से 1.45 बजे तक व दूसरा पेपर 1. 45 बजे से 2.30 बजे तक देना होगा. वे कैंडीडेट जिन्होंने दो विषय एक ही फैकल्टी के चुने हैं उन्हें फर्स्ट पेपर दोपहर एक बजे से 1. 45 मिनट बजे तक और सेकंड पेपर 1. 45 बजे से ढाई बजे तक देना होगा.

CONCEPT PIC

एग्जाम की डेट एवं सब्जेक्ट

16 मार्च- एलाइड इकोनॉमिक्स, एमबीए, कॉमर्स

17 मार्च- एआईएच, मानव विज्ञान, अरेबिक, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, गृहविज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, मध्यकालीन एवं भारतीय इतिहास, भाषा विज्ञान, प्राच्य संस्कृत, फारसी, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, लोक प्रशासन, संस्कृत व प्राकृत भाषा, समाजशास्त्र, उर्दू विभाग, पाश्चात्य इतिहास

18 मार्च - बायो केमिस्ट्री, वनस्पति विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, सांख्यिकी

19 मार्च- ललित कला, एजुकेशन, लॉ

NBT Page 8

लखनऊ विश्वविद्यालय में शुरू हुए भारतीय भाषा महोत्सव में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों के लिए रोजगार की कमी नहीं

■ एनबीटी, लखनऊ

'देश-विदेश में जितनी भी भाषाएं हैं, सबका आधार संस्कृत है। एक भाषा कई रोजगार पैदा कर सकती है। आज के दौर में संस्कृत पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए रोजगार की कमी नहीं है। बशर्ते वह अपनी योग्यता का सही इस्तेमाल करें।' यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार से शुरू हुए तीन दिवसीय भारतीय भाषा महोत्सव के दौरान कही। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, हिन्दी और आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के सहयोग से होने वाले इस कार्यक्रम में एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कई घोषणाएं भी कीं।

काशी विश्वनाथ मंदिर में ₹1 लाख तक कमा रहे गाइड

कार्यक्रम के दौरान सीएम ने काशी विश्वनाथ मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि मंदिर में संस्कृत पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए ट्रेनिंग सेंटर खोला गया है। यहां से ट्रेनिंग लेकर स्टूडेंट्स गाइड का काम कर हर महीने 30 हजार से एक लाख रुपये तक कमा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 30 लोगों से हुई शुरुआत में आज मंदिर में ऐसे करीब 700 से ज्यादा गाइड काम कर रहे हैं। इसी तरह चंदौली गांव की कुछ महिलाओं को अगरबत्ती बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे महिलाओं को हर महीने 9 से 15 हजार रुपये कमाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने कोर्स में भारतीय भाषाओं को प्रमुखता से शामिल करना चाहिए। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार करने के लिए भारतीय भाषाओं को विकास का आधार बनाना होगा। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय युवाओं को ज्यादा से ज्यादा सरकार की इंटर्नशिप और एनएसएस स्कीम्स को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए भारतीय भाषा महोत्सव में सीएम को किया गया सम्मानित। इस मौके पर वीसी भी मौजूद रहे।

अगले सत्र से लागू होगा सीबीसीएस

कार्यक्रम में मौजूद एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने अगले सत्र से विवि में सीबीसीएस लागू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला विवि है, जहां सीबीसीएस लागू होगा। विवि जल्द कार्बन फुटप्रिंट प्रोडक्शन का आंकलन करने जा रहा है। साथ ही एलयू का हर विभाग यूट्यूब चैनल शुरू करने जा रहा है, जो डिजिटल रूप से स्टडी मटीरियल उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के पूर्व हेड प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, उप्र भाषा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.राजनारायण शुक्ल, हिन्दुस्तानी अकादमी के अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप सिंह, प्रो. पवन अग्रवाल, जितेंद्र कुमार, निदेशक सुशील कुमार मौर्य, दिनेश कुमार मिश्र, प्रो. प्रेम शंकर तिवारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

...इधर राज्यपाल बोलीं

2035 तक उच्च शिक्षा नामांकन अनुपात 50% पहुंचेगा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में नए भवन का उद्घाटन किया

■ एनबीटी, लखनऊ : 'संवैधानिक मूल्यों के निर्वहन से ही लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की जा सकती है। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को अपने परिसर में संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को प्रदर्शित करना चाहिए, जिससे छात्र अधिकारों के साथ दायित्वों को भी याद करें।' यह बात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को रायबरेली रोड स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में कही। इस दौरान लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की शिला पट्टिका का अनावरण किया। साथ ही परिसर में बने नए भवन का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2035 तक उच्च शिक्षा नामांकन अनुपात 50% तक पहुंचाने में मुक्त विवि अपनी निर्णायक भूमिका अदा करेगा। इस मौके पर वीसी प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल मौजूद रहे।